https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलटिकि बीमारयिां

के संस्करण 2016

3. रोजमर्रा की जदिगी

3.1 कैसे बीमारी बच्चे व परविार के रोजमर्रा की जदिगी प्रभावति करती है

जब तक बीमारी का पता नहीं चलता व बच्चा ठीक नहीं होता तब तक पूरा परविार तनावग्रस्त रहता है।
बीमारी व इलाज की समझ बच्चों व उनके माता पति में होने से कुछ कष्टप्रद उपचारों से बचा जा सकता है। जब बीमारी पर नयिंत्रण हो जाता है तो घरेलू जदिगी एक बार फरि सामान्य हो जाती है।

3.2 स्कूल के बारे में क्या?

एक बार बीमारी पर नयिंत्रण के बाद बच्चे को स्कूल भेजा जा सकता है। आवश्यक है कि बच्चे की स्थति के बारे में स्कूल को बता दयिा जाये

3.3 खेल के बारे में क्या

बीमारी का प्रभाव कम होने पर खेल के लयि बच्चों को प्रोत्साहति करना चाहयि। प्रोत्साहन कि शरीर के अंगो जैसे मांसपेशयिों, जोड़ व हड्डयिाँ की दशा पर नरि्भर करता ,जो स्टेरॉयड खाने से प्रभावति हो सकती है ।

3.4 भोजन के बारे में क्या?

वशिेष प्रकार के भोजन के बीमारी की दशा व परणिाम पर कोई असर होने का कोई प्रमाण नहीं है। बढ़ते बच्चे को पौष्टकि आहार जसिमें प्रोटीन, कैल्शयिम वटिामनि की प्रचुरता हो खाना चहयि। जब कार्टकिोस्टेरायड दवा चल रही हो तब मीठा,वसा व नमक का प्रयोग कम करना चाहयि जसिसे दवा का कुप्रभाव कम पडे।

3.5 क्या मौसम का प्रभाव बीमारी पर पडता है?

मौसम का बीमारी पर प्रभाव ज्ञात नहीं है। बीमारी के कारण उंगली व अंगूठे में रक्त संचरण बाधित होने पर ठंडक में बीमारी के लक्षण बढ़ सकते हैं।

3.6 संक्रमण व प्रतिरक्षा के बारे में क्या है

प्रतिरक्षा क्षमता घटाने वाली दवा पर चल रहे बच्चों में संक्रमण की संभावना बढ जाती है। चिकित्सक से सम्पर्क कर एंटी वायरस दवा या विशेष एंटी वायरस इम्यूनोग्लोबुलिन लेना चाहिये। साधारण संक्रमण की संभावना इलाज कर रहे बच्चों में रहती है। सामान्यतया प्रभाव न डालने वाले संक्रमण भी इन बच्चों में गंभीर रूप ले सकते हैं। इन मरीजों में न्यूमोसिस्टिस कैरीनाई के संक्रमण के कारण फेफडे प्रभावित हो सकती है, इससे बचाव के लिये को-ट्रीमेक्सोजोल एंटीबायोटिक दवा पर रखा जाता है। जब तक इम्यूनोसप्रेसिव दवा पर बच्चा है तब तक खसरा, टी बी, रूबेला, पोलियो टीका नही लगवाना चाहिये।

3.7 गर्भधारण के बारे में क्या

दवायें शिशु के विकास को प्रभावित करती हैं इसलिए संतान उत्पत्ति के बारे में नही सोंचना चाहिये। । कुछ साइटोटाक्सिक दवायें (सिक्लोफोस्फेमिड) संतान उत्पन्न करने की क्षमता को प्रभावित करती है। यह दवा के प्रकार व कुल दवा की मात्रा पर निर्भर करती है पर बच्चों व किशोरों में यह कम महत्व का है।